DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

14 May, 2024

मतदान केन्द्रों की कार्यप्रणाली

संदर्भ: *मौजूदा लोकसभा चुनावों में, शहरी केंद्रों से लेकर दूरदराज के इलाकों तक फैले देश भर के 10.5 लाख मतदान केंद्रों पर 96.8 करोड़ मतदाता सूचीबद्ध हैं।*

➢ **मतदान केंद्रों की स्थापना: मानदंड और सिद्धांत**

- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (आरपीए) की धारा 25 के तहत, जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ) अपने जिले में मतदान केंद्रों की सूची निर्मित करने और उसे प्रकाशित करने के लिए जिम्मेदार है।
- मतदान केंद्र स्थापित करने के सिद्धांतों में यह सुनिश्चित करना शामिल है, कि मतदाता दो किलोमीटर के दायरे में हों, प्रत्येक स्टेशन का न्यूनतम क्षेत्रफल 20 वर्ग मीटर हो, अधिकतम 1,500 मतदाताओं को सेवा प्रदान की जाए, और 300 से अधिक मतदाताओं वाले गांवों को एक मतदान केंद्र प्रदान किया जाए।
- सामान्य पहुंच संबंधी चुनौतियों वाले क्षेत्रों में मतदान केंद्र 300 से कम मतदाताओं के लिए बनाए जा सकते हैं, जबकि 1,500 से अधिक मतदाताओं के लिए सहायक केंद्र स्थापित किए जाते हैं, अधिमानतः उसी भवन के भीतर।
- मतदान केंद्रों के लिए स्थान अधिमानतः सरकारी या अर्ध-सरकारी संस्थानों में चुने जाते हैं, निजी भवनों का उपयोग केवल आवश्यक होने पर और आरपीए की धारा 160 के तहत मालिक की सहमति या मांग के साथ किया जाता है।
- स्थानीय पार्टियों और नागरिकों के इनपुट और भारत के चुनाव आयोग (ECI) के अनुमोदन के साथ, वार्षिक मतदाता सूची संशोधन के दौरान मतदान केंद्रों की सूची का सत्यापन और अद्यतन किया जाता है।

➢ **सुविधाएं:**

- मतदान केंद्र मतदाताओं के लिए अलग प्रवेश और निकास बिंदु, खिड़कियों या दरवाजों से दूर मतदान कक्ष और फर्नीचर, प्रकाश व्यवस्था, साइनेज और अलग शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करते हैं।
- सुचारू मतदान और कुशल मतदान कर्मियों के कर्तव्यों को सुनिश्चित करने के लिए सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं (एएमएफ) प्रदान की जाती हैं, जिसमें बुनियादी संरचनाएं, बैठने की व्यवस्था, शीतलन उपकरण, पीने का पानी और चिकित्सा किट शामिल हैं।
- विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के प्रावधानों में रैंप, व्हीलचेयर, निर्दिष्ट पार्किंग, प्राथमिकता मतदान, परिवहन सुविधाएं और सक्षम ऐप के माध्यम से सहायता शामिल है।

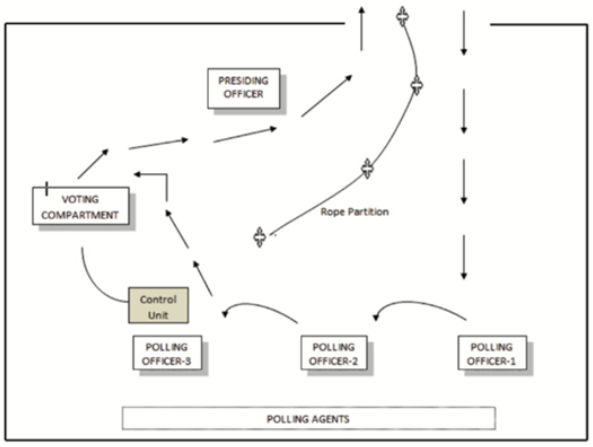

➢ **मतदान केंद्रों के अंदर लोग और मतदान के दिन प्रतिबंध**

- मतदान केंद्रों के अंदर प्रवेश पंजीकृत मतदाताओं, मतदान अधिकारियों, उम्मीदवारों, मीडिया कर्मियों, चुनाव ड्यूटी पर तैनात लोक सेवकों और अधिकृत व्यक्तियों तक सीमित है।
- एक मतदान दल में एक पीठासीन अधिकारी और तीन मतदान अधिकारी शामिल होते हैं जो पहचान की पुष्टि करने, अमिट स्याही लगाने, मतदाता पर्चियों का प्रबंधन करने और ईवीएम को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं।

➢ **महत्वपूर्ण मतदान केंद्र**

- महत्वपूर्ण मतदान केंद्र वे हैं जिनमें सुरक्षा और अखंडता के लिए अतिरिक्त उपायों की आवश्यकता होती है, जिनमें संवेदनशील क्षेत्र, असामान्य कानून और व्यवस्था की स्थिति, उच्च या निम्न मतदाता मतदान दर और चुनावी अपराध या हिंसा की घटनाएं शामिल हैं।
- ईसीआई चुनाव पूर्व विश्वास-निर्माण की पहल करता है, उम्मीदवारों और खुफिया एजेंसियों से फीडबैक इकट्ठा करता है, उपद्रवियों को कानूनी रूप से प्रतिबंधित करता है, और मतदान के दिन केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और माइक्रो पर्यवेक्षकों को तैनात करता है।

ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन (Xenotransplantation)

संदर्भ: *संशोधित सुअर किडनी के आरम्भिक प्राप्तकर्ता की किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी के लगभग दो महीने बाद विगत 11 मई को मृत्यु हो गई।*

➢ **ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन क्या है?**

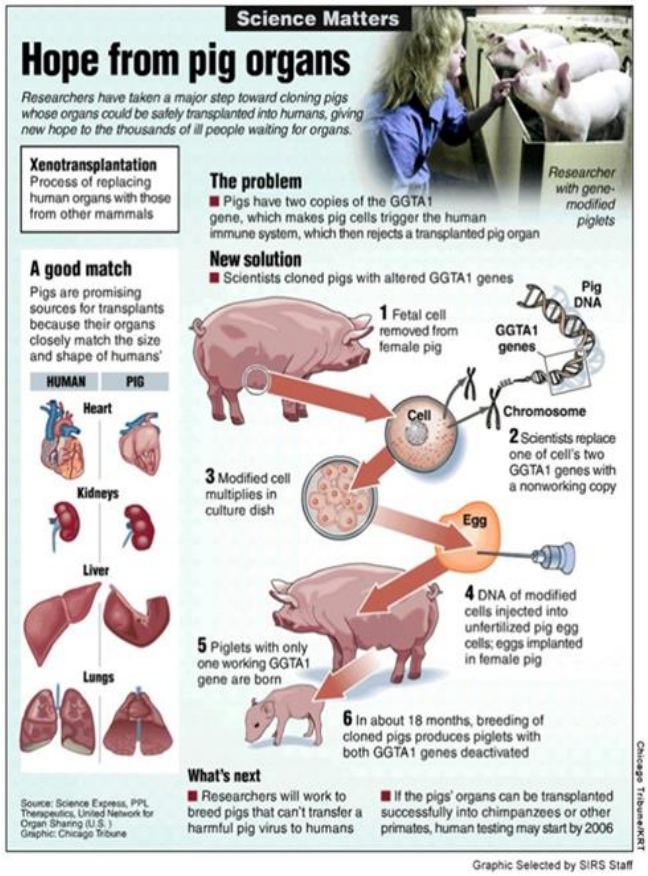

Graphic Selected by SIRS Staff

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन में गैर-मानव पशु स्रोतों से जीवित कोशिकाओं, ऊतकों या अंगों को मानव प्राप्तकर्ताओं में प्रत्यारोपित करना, प्रत्यारोपित करना या डालना शामिल है।
- यह अंग प्रत्यारोपण की उच्च मांग और दाता अंगों की सीमित उपलब्धता के बीच अंतर को संबोधित करता है।

ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन कैसे होता है?

- मानव शरीर द्वारा अंग प्रत्यारोपण अस्वीकृति को रोकने के लिए जानवरों के अंगों में आनुवंशिक संशोधन होते हैं।
- CRISPR-Cas9 तकनीक का उपयोग सुअर के जीन को हटाने के लिए किया जाता है जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को ट्रिगर करता है और अनुकूलता बढ़ाने के लिए मानव जीन को जोड़ता है।
- सर्जरी के बाद, प्रत्यारोपित अंग के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया का आकलन करने के लिए निरंतर निगरानी आवश्यक है।

ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन के लिए अक्सर सूअरों का उपयोग क्यों किया जाता है ?

- शारीरिक और शारीरिक समानता के कारण सुअर के हृदय वाल्व का उपयोग मनुष्यों में 50 वर्षों से अधिक समय से किया जा रहा है।
- सूअरों का बड़े पैमाने पर पालन किया जाता है, जो अंग संचयन के लिए लागत प्रभावी विकल्प प्रदान करते हैं।
- सुअर की विभिन्न नस्लें मानव प्राप्तकर्ताओं की आवश्यकताओं के अनुरूप अंग के आकार की अनुमति देती हैं।

ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन क्षमता क्या है ?

- अंग की कमी के कारण 20-35% मरीज प्रत्यारोपण के इंतजार में मर जाते हैं।
- ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन अंगों की कमी को दूर करने के लिए मानव जीन के साथ आनुवंशिक रूप से परिवर्तित जानवरों के अंगों का उपयोग करता है।
- ज़ेनोट्रांसप्लांट प्रत्यारोपित अंगों को स्वीकार करने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को धोखा देकर संभावित समाधान प्रदान करते हैं।
- उपचार के प्रति ट्यूमर की संवेदनशीलता का अनुमान लगाने के लिए ऑन्कोलॉजी अनुसंधान में ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन का भी उपयोग किया जाता है।
- मानव अंगों को जानवरों में प्रत्यारोपित करने से मानव जीव विज्ञान का अध्ययन करने में सहायता मिलती है और भविष्य में प्रत्यारोपण के लिए अंगों का एक वैकल्पिक स्रोत प्रदान होता है।
- उदाहरण के लिए, चूहों में प्रत्यारोपित किए गए मानव भ्रूण के गुर्दे ने कार्यात्मक समर्थन और विकास का प्रदर्शन किया।

विश्व स्मृति कार्यक्रम

संदर्भ: *रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-लोकन को यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर में सूचीबद्ध किया गया है।*

यूनेस्को के विश्व स्मृति कार्यक्रम का अवलोकन:

- मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड कार्यक्रम का उद्देश्य मानवता की दस्तावेजी विरासत को उपेक्षा, क्षय और जानबूझकर विनाश से सुरक्षित रखना है।
- यह दुनिया भर में अभिलेखीय संपत्तियों, पुस्तकालय संग्रहों और व्यक्तिगत सार-संग्रहों के संरक्षण का आह्वान करता है।
- कार्यक्रम का उद्देश्य बिखरी हुई या विस्थापित दस्तावेजी विरासत को पुनर्गठित करना और इन वस्तुओं की पहुंच और प्रसार को बढ़ाना है।

विश्व रजिस्टर की स्मृति:

- यह दस्तावेजों, पांडुलिपियों, मौखिक परंपराओं, दृश्य-श्रव्य सामग्री और पुस्तकालय और सार्वभौमिक मूल्य की अभिलेखीय संपत्तियों का संग्रह है।
- रजिस्टर पर शिलालेख बेहतर संरक्षण की सुविधा प्रदान करता है और विशेषज्ञों को सूचनाओं का आदान-प्रदान करने और संरक्षण, डिजिटलीकरण और प्रसार के लिए संसाधन जुटाने के लिए कहता है।
- प्रौद्योगिकी का उपयोग पंजीकृत वस्तुओं की पहुंच और प्रसार को बढ़ाने के लिए किया जाता है।

नामांकन और चयन प्रक्रिया:

- कोई भी संगठन या व्यक्ति यूनेस्को सदस्य राज्यों के माध्यम से रजिस्टर पर शिलालेख के लिए एक दस्तावेजी वस्तु को नामांकित कर सकता है।
- विवरण, उत्पत्ति, महत्व और संरक्षण के संबंध में प्रस्तावों की अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (आईएसी) द्वारा जांच की जाती है।
- आईएसी यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड को शिलालेख के लिए वस्तुओं की सिफारिश करता है।

विश्व अंतर्राष्ट्रीय रजिस्टर की स्मृति:

- यह अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति द्वारा अनुशंसित और यूनेस्को के महानिदेशक द्वारा समर्थित विश्व की दस्तावेजी विरासत को सूचीबद्ध करता है।
- चयन मानदंड "विश्व महत्व और उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य" पर जोर देते हैं।
- रजिस्टर पर पहला शिलालेख 1997 में बनाया गया था, और तब से कार्यक्रम ने अनुप्रयोगों और धन उगाहने को सुव्यवस्थित करने के लिए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठनों और रजिस्टरों की स्थापना को प्रोत्साहित किया है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

14 May, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय द्वारा ड्रग्स और अपराध पर जारी 2024 विश्व वन्यजीव अपराध रिपोर्ट में कहा गया है कि कई लुप्तप्राय प्रजातियाँ जैसे गैंडा, हाथी, पैंगोलिन तथा देवदार, शीशम और अगरवुड जैसे कुछ पेड़ अवैध वन्यजीव व्यापार से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं।

नशीली दवाओं और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के बारे में:

- नशीली दवाओं और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) अवैध दवाओं और अंतरराष्ट्रीय अपराध के खिलाफ लड़ाई में एक वैश्विक नेता है।
- यह एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है जिसकी स्थापना 1997 में संयुक्त राष्ट्र औषधि नियंत्रण कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय अपराध रोकथाम केंद्र के बीच विलय के माध्यम से की गई थी।
- इसका मिशन लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में शिक्षित करना और अवैध दवा उत्पादन, तस्करी और नशीली दवाओं से संबंधित अपराध के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई को मजबूत करना है।
- संगठन अपनी गतिविधियों को चलाने के लिए, मुख्य रूप से सरकारों से स्वैच्छिक योगदान पर निर्भर करता है।
- यह अपने काम के प्रभाव को अधिकतम करने के लिए सरकारों, नागरिक समाज संगठनों, शिक्षा जगत, निजी क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ सहयोग करता है।
- 2021-2025 की अवधि के लिए इसकी रणनीति मानव अधिकारों, लैंगिक समानता और विकलांगता समावेशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा और युवाओं की परिवर्तनकारी शक्ति का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- इसका मुख्यालय वियना, ऑस्ट्रिया में है।

चेंचू जनजाति

हाल ही में, चेंचू जनजाति के मतदाताओं ने तेलंगाना में नागरकुर्नूल लोकसभा क्षेत्र के भीतर एससी-आरक्षित अचम्पेट विधानसभा क्षेत्र में एक विशेष मतदान केंद्र पर चुनाव में भाग लिया।

चेंचू जनजाति के बारे में:

- चेंचू, जिसे "चेंचुवरु" या "चेंचवार" भी कहा जाता है, आदिवासियों की एक द्रविड़ जनजाति है जो भारतीय राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और ओडिशा में रहते हैं।
- वे एक अर्ध-घुमंतू अनुसूचित जनजाति हैं जिनकी जीवन शैली शिकार और भोजन एकत्र करने पर आधारित रही है।
- उन्हें "जंगल के बच्चे" के रूप में जाना जाता है और वे भारत के दक्षिण पूर्वी हिस्से में नल्लामाला पहाड़ी श्रृंखला के मूल निवासी हैं।
- वे अपनी खुद की एक भाषा बोलते हैं जिसे 'चेंचू' कहा जाता है जो द्रविड़ भाषा परिवार से संबंधित है।
- ऐसा माना जाता है कि चेंचू को दक्षिण के राजाओं ने कृष्णा और तुंगभद्रा नदी की रक्षा के लिए नियुक्त किया था।
- 1961 की जनगणना में, उनकी संख्या 52 थी और वे केवल कोरापुट जिले में केंद्रित थे; 1971 की जनगणना में इनकी संख्या भारी गिरावट के साथ मात्र 08 रह गयी।
- नवीनतम 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में उनकी आबादी चिंताजनक रूप से 50 प्रतिशत से अधिक कम हो गई है, केवल 13 व्यक्तियों तक, जिनमें 6 पुरुष और 7 महिलाएं शामिल हैं, जो बड़े पैमाने पर नौरंगपुर जिले में पाए जाते हैं।

सेमल वृक्ष

हाल ही में, उदयपुर के होली समारोहों में व्यापक उपयोग के कारण राजस्थान में सेमल के पेड़ों की कमी हो रही है।

सेमल वृक्ष के बारे में:

- सेमल का पेड़, जिसे वैज्ञानिक रूप से बॉम्बेक्स सीइबा एल. के नाम से जाना जाता है, भारत का स्थानिक है और बॉम्बेकेसी परिवार से संबंधित है।
- सेमल का पेड़, जिसे लाल रेशम कपास के पेड़ या बॉम्बेक्स सीइबा के नाम से भी जाना जाता है, बड़े लाल फूलों वाला एक पर्णपाती पेड़ है जो वसंत ऋतु में खिलता है।
- यह उत्तर भारत के सबसे बड़े पेड़ों में से एक है और प्रायद्वीपीय भारत में सूखे सागौन और मिश्रित पर्णपाती जंगलों, पश्चिमी तट पर नम जंगलों एवं उप-हिमालयी क्षेत्रों में पाया जाता है।
- यह म्यांमार, दक्षिण चीन और पूरे उष्णकटिबंधीय दक्षिण पूर्व एशिया में भी पाया जाता है।
- जड़, फल, बीज, तना, छाल और गोंद सहित इसके हिस्सों में औषधीय गुण होते हैं, जो पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में योगदान करते हैं।
- यह पेड़ भारतीय परंपराओं में सांस्कृतिक महत्व रखता है, विशेष रूप से होली जैसे त्योहारों के दौरान, जहां पारंपरिक रूप से अलाव के मुख्य स्तंभ के लिए कटे हुए तने या शाखाओं का उपयोग किया जाता है।
- जनजातीय समुदाय भोजन, चारे, ईंधन की लकड़ी और शिल्पकला उद्देश्यों के लिए सेमल पर निर्भर हैं।
- कथोड़ी जनजाति के सदस्य इसकी लकड़ी का उपयोग संगीत वाद्ययंत्र बनाने के लिए करते हैं जबकि भील लोग इसका उपयोग बर्तन बनाने के लिए करते हैं।
- होलिका दहन जैसी सांस्कृतिक प्रथाओं के लिए सेमल के पेड़ों की अवैध कटाई, राजस्थान वन अधिनियम 1953 और वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 का उल्लंघन करते हुए, इसकी आबादी के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करती है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

आर्मर्ड सेलफिन कैटफ़िश

हाल ही में, सीएसआईआर-सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) के वैज्ञानिकों ने पाया है कि आक्रामक आर्मर्ड सेलफिन कैटफ़िश की पूर्वी घाट के जल निकायों में 60% विस्तार हुआ है।

आर्मर्ड सेलफिन कैटफ़िश के बारे में:

- आर्मर्ड सेलफ़िन कैटफ़िश, जिसे सेलफ़िन प्लेक या जेनिटर मछली के रूप में भी जाना जाता है, एक दक्षिण अमेरिकी उष्णकटिबंधीय मछली है, जो विशेष रूप से अमेज़न नदी बेसिन में पाई जाती है।
- मछली का नाम उसके पाल जैसे पृष्ठीय पंख के चलते रखा गया है और इसका वैज्ञानिक नाम, टेरीगोप्लिचथिस मल्टीरेडियाटस, का अर्थ है "कई किरणों वाला"।
- इसे इसकी अनूठी उपस्थिति और टैंकों तथा एक्वैरियम में शैवाल को साफ करने की क्षमता के लिए उपयोग किया गया था।
- यह 20 इंच से अधिक तक बढ़ सकता है और इसका वजन 3 पाउंड तक हो सकता है।
- आर्मर्ड सेलफ़िन कैटफ़िश की कुछ प्रजातियों में ओरिनोको सेलफ़िन कैटफ़िश (Pterygoplichthys मल्टीराडियाटस), अमेज़न सेलफ़िन कैटफ़िश (Pterygoplichthys Pardalis, जिसे सामान्य प्लीको या "तेंदुए प्लीको" के रूप में भी जाना जाता है) और वर्मीक्यूलेटेड सेलफ़िन कैटफ़िश शामिल हैं।

सुर्खियों में स्थल

चाबहार बंदरगाह

हाल ही में भारत और ईरान ने चाबहार में शाहिद बेहिश्ती बंदरगाह के संचालन के लिए दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

चाबहार बंदरगाह के बारे में:

- चाबहार बंदरगाह ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में ओमान की खाड़ी के साथ मकरान तट पर स्थित है।
- यह ईरान का एकमात्र समुद्री बंदरगाह है और इसमें शाहिद बेहिश्ती और शाहिद कलंतरी नामक दो अलग-अलग बंदरगाह शामिल हैं।
- इस बंदरगाह को मध्य एशियाई देशों के साथ भारत, ईरान और अफगानिस्तान के लिए व्यापार के अवसरों का प्रवेश द्वार माना जाता है।
- भारत और ईरान ने 2016 में भारत के लिए 10 वर्षों के लिए शाहिद बेहिश्ती टर्मिनल को विकसित करने और संचालित करने के लिए एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- इसे 1973 में ईरान के अंतिम शाह द्वारा प्रस्तावित किया गया था, लेकिन 1979 की ईरानी क्रांति के कारण विकास में देरी हुई।
- समुद्री व्यापार को पूर्व की ओर स्थानांतरित करने के लिए ईरान-इराक युद्ध (1983) के दौरान पहला चरण खोला गया, जिससे हमलों के प्रति संवेदनशील फारस की खाड़ी के बंदरगाहों पर निर्भरता कम हो गई।
- यह पाकिस्तान को दरकिनार करके भारत के व्यापार मार्गों में विविधता लाता है, जिसने ऐतिहासिक रूप से अफगानिस्तान और मध्य एशिया के साथ भारत के व्यापार पर प्रतिबंध लगाया है।

POINTS TO PONDER

- भारत और भूटान के बीच 5वीं संयुक्त सीमा शुल्क समूह (JGC) की बैठक कहाँ हुई? – **लद्दाख**
- हाल ही में किस राज्य ने जंगल की आग से निपटने के लिए 'पिरुल लाओ-पैसे पाओ' अभियान शुरू किया है? – **उत्तराखंड**
- हाल ही में समाचारों में रहे एजेंडा 2063 से कौन सा संगठन जुड़ा है? – **अफ्रीकी संघ (एयू)**
- हाल ही में समाचारों में रहा विडाल टेस्ट किस बीमारी से संबंधित है? – **आंत्र ज्वर (Typhoid})**
- हाल ही में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (MoA&FW) द्वारा कृषि इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) कहाँ लॉन्च किया गया था? – **नई दिल्ली**